प्राचीन भारत में मुख्य शैक्षिक केन्द्र और विश्वविद्यालय –

- वैदिक काल और सूत्र महाकाव्य काल में शिक्षा प्रणाली का अध्ययन स्पष्ट करता है कि उन दिनों शिक्षकों के निवास स्थान गुरुकुलों नामक शैक्षणिक संस्थान थे।
- उन दिनों, कुछ मठ व विहार स्थापित किए गए बौद्ध प्रणाली से प्रेरित होकर, हिन्दू मंदिरों और मठों में शैक्षणिक संस्थानों को शुरु किया गया था।
- भगवान बुद्ध वह व्यक्ति थे, जिन्होंने बड़े पैमाने पर भक्तों के लिए शिक्षा की आवश्यकता का एहसास किया था, इसलिए उन्होंने मठों व विहारों की स्थापना की जहां शिक्षा भी प्रदान की गई।

Dr. Mukesh Pancholi

बाद में इन मठों को पूर्णत: शिक्षा केन्द्रों में बदल दिया गया, यहां विदेशी भी बौद्ध धर्म का अध्ययन करने आए थे।

निष्कर्षत: प्राचीन काल के सीखने के महत्त्वपूर्ण केन्द्र निम्न है –

(1) तक्षशिला -

- सिंधु व झेलम नदी के बीच स्थित।
- भारत का व विश्व का पहला विश्वविद्यालय।
- वर्तमान में पाकिस्तान के रावलपिंडी के पास इसके खंडहर स्थित है, जो सिंधु व झेलम नदियों के बीच है।

Dr. Mukesh Pancholi

- तक्षशिला नगर का संस्थापक राजा भरत का पुत्र तक्ष माना जाता है।
- यह भारत का प्रथम विश्वविद्यालय था, जो महान रेशम मार्ग (Great Silk Root) पर स्थित था।
- यहां ब्राह्मी व खरोष्ठी दोनों लिपियों में अध्ययन होता था।
- मुख्यत: संस्कृत भाषा का उपयोग किया जाता था।
- वैदिक जैन, बौद्ध धर्म की शिक्षाओं का केन्द्र होने के कारण यहां धार्मिक सहिष्णुता थी।
- चतुर्थ शताब्दी ई.पू. से 6 शताब्दी ई. तक यह कार्यशील रहा।

Dr. Mukesh Pancholi

- यहां अध्ययन करने वाले प्रमुख व्यक्ति –
  - कौशल नरेश प्रसैनजीत
  - अष्टाध्यायी के रचयिता पाणिनी
  - चाणक्य/कौटिल्य/विष्णु गुप्त शर्मा
  - वैद्यराज जीवक (हेयक वंश के शासक बिंदूसार के दरबारी)
  - चंद्रगुप्त मौर्य
- हूणों के आक्रमण से तक्षशिला की प्रतिष्ठा में कमी आई।
- फाह्यान ने अपने ग्रंथ 'फोकावकी' में तक्षशिला की कमजोर स्थिति का वर्णन किया है।

Dr. Mukesh Pancholi

- तक्षशिला को यूनेस्कों ने 1980 में विश्व धरोहर स्थल घोषित किया।
- इसकी खोज पुरातत्वविद अलेक्जेंडर कनिंघम ने 19वीं शताब्दी के मध्य इसके खंडहरों की खोज की।

नालंदा –

- बिहार के प्रांत (राजगीर, बडगांव) में नालंदा उत्तरी भारत का एक प्रसिद्ध सांस्कृतिक व शैक्षिक केन्द्र था।
- नालंदा 450 ई. कुमार गुप्त I द्वारा इसकी स्थापना की गई।
- 7वीं शताब्दी का भारत का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय। एकमात्र पूर्णतया आवासीय विश्वविद्यालय था।

Dr. Mukesh Pancholi

- बौद्ध धर्म की महायान शाखा का केन्द्र।
- Oxford of Bodha Mahayan
- दो चीनी यात्री – ह्वेनसांग व इत्सिंग
- ह्वेनसांग ने यहां बतौर शिक्षक भी कार्य किया। इसकी पुस्तक 'सी-यू-की' है, इत्सिंग 400 से भी ज्यादा पुस्तकें अपने साथ लेकर गया।
- 'सी-यू-की' में नालंदा का वर्णन मिलता है।
- ह्वेनसांग की जीवनी लिखने वाले 'व्हीली' ने अपनी Book में नालंदा का विस्तृत उल्लेख किया है।
- हर्षवर्द्धन ने नालंदा के पास ताम्र विहार का निर्माण करवाया।

Dr. Mukesh Pancholi

- ह्वेनसांग ने नालंदा के तत्कालीन आचार्य 'शीलभद्र' को 'सत्य व धर्म का भंडार' कहा।
- धर्मगंज – पुस्तकालय केन्द्र में छात्रों के लिए नौ मंजिला पुस्तकालय था, जिसे (3) भागों में बांटा गया था –

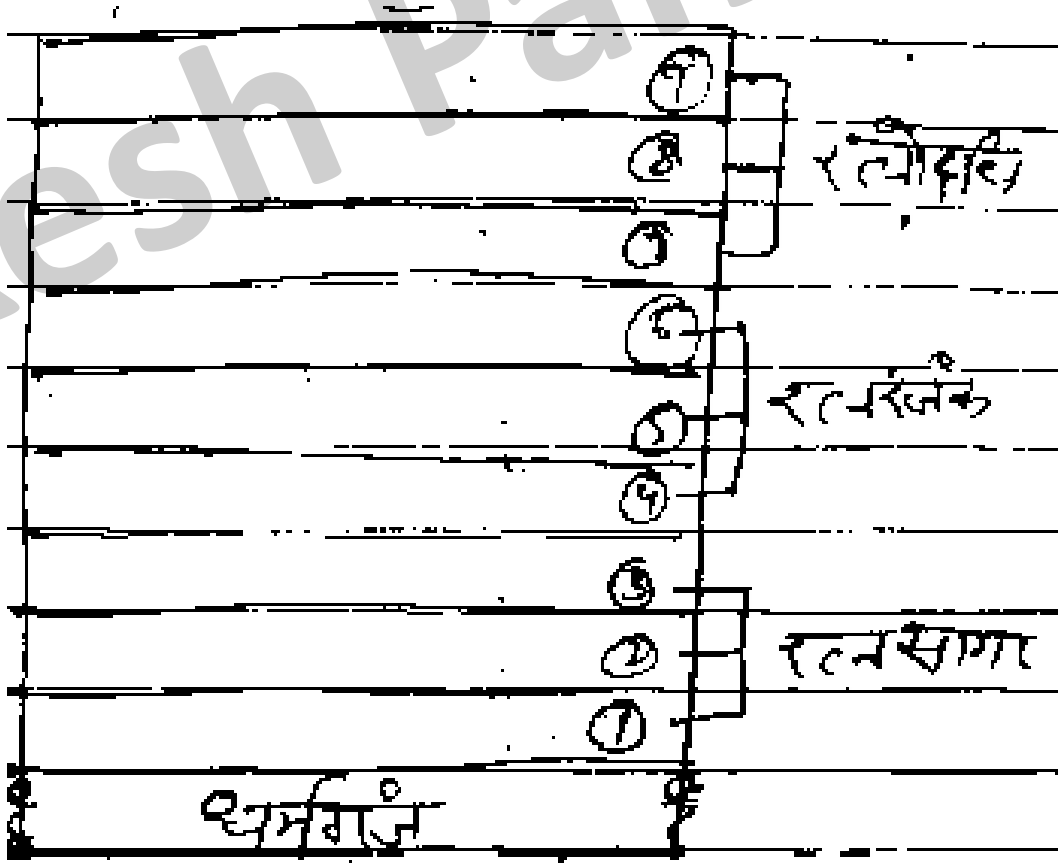

Dr. Mukesh Pancholi

- नालंदा में प्रवेश परीक्षा आसान नहीं थी और ह्वेनसांग के अनुसार 38 में से 20 छात्र ही इस परीक्षा में सफल हुए, विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 20 वर्ष थी।
- 700 वर्षों से अधिक कार्यशील रहने के बाद भारतीय दर्शन, कला व सभ्यता का अनूठा प्रतीक नालंदा को नष्ट कर दिया व धर्मगंज (पुस्तकालय) को जला दिया।
- एक इतिहासकार लिखते है, कि 'नालंदा विश्वविद्यालय अपने विचार की सार्वभौमिकता, अपने अध्ययनों की व्यापक श्रेणी, अपने समुदाय के अंतर्राष्ट्रीय चरित्र जैसे – Oxford, Cambridge, Paris जैसे आधुनिक समय के अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के समान अन्तर्राष्ट्रीय नैतिका का शैक्षिक केन्द्र था।'

Dr. Mukesh Pancholi

विक्रमशिला विश्वविद्यालय –

- विक्रमशिला की स्थापना 8वीं शताब्दी में बंगाल के पाल वंश के राजा धर्मपाल ने की।
- विक्रमशीला को पाल शासकों का संरक्षण प्राप्त था। यहां कुल (6) महाविद्यालय थे जिनके मुख्यद्वार पर द्वार पंडित विद्यार्थियों की प्रथम प्रवेश परीक्षा लिया करते थे।
- जिनमें कुल शिक्षकों की संख्या 108 बताई गई है।
  - पूर्वी द्वार पर – रत्नाकर शांति द्वार पंडित
  - पश्चिमी द्वार का द्वार पंडित – वागीश्वर कीर्ति
  - दक्षिणी द्वार का द्वार पंडित – नोरीपंत/नरोत्त

Dr. Mukesh Pancholi

- प्रथम केन्द्रीय द्वार पंडित – रत्नवज्र
- द्वितीय केन्द्रीय द्वार पंडित – ज्ञान श्री मित्र

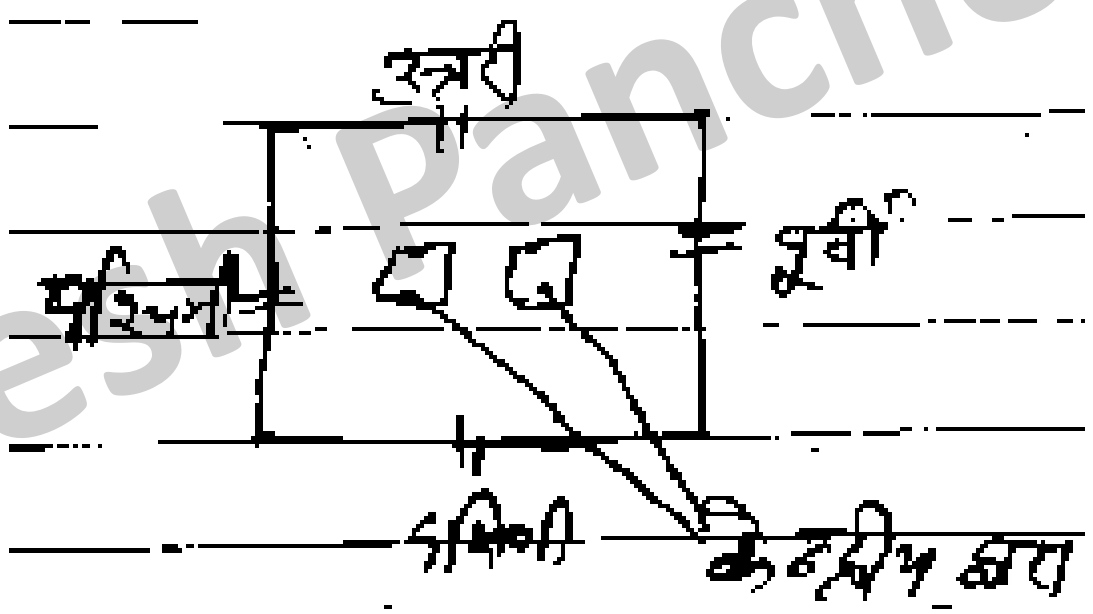

- यहां के आचार्य ‘दीपशंकर श्री ज्ञान’ (जिन्होंने अध्ययन उड्डियतपुरी में किया।)

Dr. Mukesh Pancholi

- यहां के अंतिम आचार्य ‘शाक्य श्री भद्र’ थे।
- 1203 में बख्तियार खिलजी ने इस विश्वविद्यालय को भी नष्ट कर दिया।
- दीपशंकर श्री ज्ञान भी वज्रयान शाखा के प्रचार-प्रसार हेतु तिब्बत गए थे।

Dr. Mukesh Pancholi

महत्वपूर्ण प्रश्न

Dr. Mukesh Pancholi

1. प्राचीन भारतीय शिक्षा के मूल सिद्धांत है -

(A) 3

(B) 4

(C) 5

(D) 2

Dr. Mukesh Pancholi

2. वैदिक युग में शिक्षा प्रदान की जाती थी -

(A) निर्धारित उच्चारण के माध्यम से

(B) व्यावहारिक क्रियाओं के माध्यम से

(C) लिखित रूप में

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

3. 'ब्राह्मण संघ' का उल्लेख कहां मिलता है -

(A) ऋग्वेद

(B) आयुर्वेद

(C) यजुर्वेद

(D) पुराण

Dr. Mukesh Pancholi

4. चिकित्सा के लिए प्रसिद्ध संस्थान -

(A) तक्षशिला

(B) नालंदा

(C) उज्जैन

(D) मिथिला

Dr. Mukesh Pancholi

5. बौद्ध शिक्षा का मुख्य उद्देश्य था -

(A) चरित्र की शुद्धता

(B) मोक्ष प्राप्ति

(C) केवल (A)

(D) (A) व (B) दोनों

Dr. Mukesh Pancholi

6. किस वेद के अध्ययन को बौद्धकाल में शामिल नहीं किया गया -

(A) यजुर्वेद

(B) आयुर्वेद

(C) अथर्ववेद

(D) कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

7. बौद्ध काल में भारत की आध्यात्मिक राजधानी थी -

(A) वाराणसी

(B) काशी

(C) तक्षशिला

(D) वल्लभी

Dr. Mukesh Pancholi

8. भारत व विश्व का पहला विश्वविद्यालय -

(A) नालंदा

(B) तक्षशिला

(C) काशी

(D) उज्जैन

Dr. Mukesh Pancholi

9. अष्टाध्यायी के रचयिता पाणिनी किस विश्वविद्यालय के शिष्य थे -

(A) तक्षशिला

(B) औदंतपुरी

(C) जगद्दला

(D) नालंदा

Dr. Mukesh Pancholi

10. किस वर्ष यूनेस्को ने तक्षशिला को विश्व धरोहर में शामिल किया -

(A) 1985 ई.

(B) 1980 ई.

(C) 1990 ई.

(D) 1991 ई.

Dr. Mukesh Pancholi

11. नालंदा बौद्ध धर्म की कौनसी शाखा का प्रमुख केन्द्र था-

(A) महायान

(B) तंत्रयान

(C) वज्रयान

(D) इनमें से कोई नहीं

Dr. Mukesh Pancholi

12. धर्मगंज किससे संबंधित है -

(A) औदंतपुरी

(B) नालंदा

(C) तक्षशिला

(D) विक्रमशीला

Dr. Mukesh Pancholi

13. 'दीपशंकर श्री ज्ञान' आचार्य का संबंध है -

(A) विक्रमशीला

(B) नालंदा

(C) तक्षशिला

(D) वल्लभी

Dr. Mukesh Pancholi

14. ऐसा कौनसा चीनी यात्री था, जो नालंदा में बतौर शिष्य व शिक्षक रहे -

(A) इत्सिंग

(B) फाह्यान

(C) ह्वेनसांग

(D) उपरोक्त सभी

Dr. Mukesh Pancholi

15. ह्वेनसांग ने किसे 'सत्य व धर्म का भंडार' कहा -

(A) धर्मगंज

(B) नालंदा

(C) तक्षशिला

(D) शीलभद्र

Dr. Mukesh Pancholi